बावा जी दा भोग

बावा जी दा भोग

तर्ज : अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का

दास नूँ वी किते अपना लै बावेया ।
भोग गरीब दा वी ला लै बावेया ।।

राजे महाराजे तेरी सेवा करदे ।
खीर पूड़े गरी मेवा भोग धरदे ।।
मेरी वी रुखी मिसी खा लै बावेया - भोग...

पूजा पाठ आरती ना ज्ञान, ध्यान दा ।
तेरी लीला बावा भानूँ तूं ही जानदा ।।
पैज आपे अपनी निभा लै बावेया - भोग...

ठंड वरदाते दे दे छट्टे मेहर दे ।
खड़े तेरे द्वार बावा बड़ी देर दे ।।
नज़र 'मधुप' ते वी पा लै बावेया - भोग...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) (महोत्रा महाजन) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36929/title/daas-nu-vi-kite-apnalai-baaveya-bava-ji-da-bhog

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |